संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -244 शुक्रवार ,05 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?

» क्या दैनिक घटती-घटना स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ के भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम कर रहा है इसलिए उसका शासकीय विज्ञापन बंद किया गया है ?

» क्या दैनिक घटती-घटना की खबरें स्वास्थ्य व्यवस्था में भ्रष्टाचार की थीं सही...इसलिए उसके शासकीय विज्ञापन बंद हैं ?

» पत्रकारिता लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का दर्जा क्या खो चुकी ?
» क्या अब स्वतंत्र लेखन की पत्रकारिता में मनाही ?
» स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,भारत सरकार...
» स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
» स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
» गृहमंत्री जी भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही...

अम्बिकापुर,01 जुलाई 2024(घटती-घटना)।तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान का दूसरा दिवस... ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संपादकीय

भाजपा एकतरफ एमरजेंसी की सालगिरह मना रहा और एमरजेंसी को कोस रहा वहीं खुद प्रदेश में सच लिखने पर समाचार-पत्र पर एमरजेंसी लगाने का काम स्वास्थ्य मंत्री कर रहे हैं?

- पत्रकारिता पर हमलाः लोकतंत्र की हत्या और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अफसर शाही का खतरा...!
- आलोचना से क्यों घबराते हैं सत्ताधारी विधायक मंत्री?
- लोकतंत्र का चौथा स्तंभ ना हो तो विधायक मंत्री प्रशासन क्या बेलगाम हो जाएगा?
- आलोचना पचाने वाले नहीं रहे अब विधायक,मंत्री व निर्वाचित जनप्रतिनिधि...
- घटती-घटनाः अखबार की कलम बंद चौथे दिन,पाठक खबर न मिलने से परेशान...

अम्बिकापुर,04 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश में अब भ्रष्टाचार को लेकर खबरों का प्रकाशन यदि होगा या कोई समाचार-पत्र ऐसा करेगा तो यह तय है कि उस समाचार-पत्र को कुचलने... बंद करने...सरकार तत्काल ठोस कदम उठाएगी। अब प्रदेश में भ्रष्टाचार विषय पर समाचार प्रकाशन अपराध हो गया। खासकर यदि मामला किसी मंत्री से जुड़ा हो जिसपर आरंभ से ही भ्रष्टाचार के आरोप लगते चले आ रहे हों। देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की बातें भी प्रदेश में लागू नजर नहीं आ रही हैं जिसमे वह भ्रष्टाचार पर नकेल कसने की बात कहते हैं। प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है और जो जारी भी है वहीं इस विषय पर समाचार का प्रकाशन करने पर दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र का शासकीय विज्ञापन रोका गया है सरकार की तरफ से और अब समाचार-पत्र को पूरी तरह कुचलने का भी प्रयास सरकार कर रही है। वहीं दैनिक घटती-घटना निष्पक्षता और सत्य आधारित खबरों के प्रकाशन की अपनी प्रतिबद्धता के कारण खबरों का प्रकाशन कर रहा था जिसे यह आभास कतई नहीं था कि सरकार खासकर स्वास्थ्य मंत्री इस कदर नाराज होंगे कि वह समाचार -पत्र को बंद करने का अपना ब्रह्मास्त्र इस्तेमाल करेंगे। वैसे दैनिक घटती-घटना ने भी अब ठान लिया है कि चाहे जो हो जाए लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कुचलने के स्वास्थ्य मंत्री के प्रयास को वह असफल करके रहेगा और अब चाहे जो हो जाए वह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की रक्षा करके ही मानेगा। प्रदेश में पूर्व में कांग्रेस की भी सरकार थी वहीं तब भी घटती-घटना भ्रष्टाचार के मामले में सरकार और उसके मंत्री विधायकों को घेरने का काम करता था और तबकी कांग्रेस सरकार के भी मंत्री विधायक नाराज हुआ करते थे लेकिन वह इतना नाराज नहीं हुए की वह समाचार-पत्र को ही बंद कराने की जुगत में कभी लगे हों। भाजपा सरकार के स्वास्थ्य मंत्री तो भ्रष्टाचार की खबरों से इतने आहत हो गए हैं कि वह समाचार-पत्र को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को ही नेस्तनाबूत करने निकल पड़े हैं। प्रदेश सरकार खासकर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री की मंशा ऐसी लगती है कि वह केवल और केवल महिमामंडन वाली खबरों से प्रसन्न रहने वाले हैं उन्हें उनकी जिम्मेदारी का एहसास दिलाने पर वह आक्रमक होंगे और वह उल-जलूल निर्णय लेंगे। यह समझ आ रहा है घटती-घटना के मामले से। देश में जहां भाजपा एकतरफ एमरजेंसी की सालगिरह मना रही है और एमरजेंसी को कोस रही है वहीं खुद प्रदेश में सच लिखने पर समाचार-पत्र पर एमरजेंसी लगाने का काम प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री कर रहे हैं। कुल मिलाकर प्रदेश में अब अभिव्यक्ति की आजादी पर स्वास्थ्य मंत्री का प्रतिबंध है और वह किसी भी हाल में स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार को उजागर होने से रोकेंगे और उजागर करने वाले को वह दंडित करेंगे।

सच्चाई छापने पर स्वास्थ्य मंत्री समाचार-पत्र से बैर पाल रहे हैं?

प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की दुर्दशा और विभाग में जारी भ्रष्टाचार किसी से छिपा नहीं है। खुद भाजपाई भी अब जिला चिकित्सालयों को पशु चिकित्सालय की संज्ञा दे रहे हैं और ऐसी ही सच्चाई छापने पर स्वास्थ्य मंत्री समाचार-पत्र से बैर पाल रहे हैं। यदि प्रदेश में स्वास्थ्य मंत्री की मनमानी इसी तरह सरकार में हावी रही तो पुनः सरकार भाजपा बनाएगी आने वाले समय में इसमें संशय जरूर है। संविधान की मूल भावना को ही स्वास्थ्य मंत्री कुचलने तैयार हैं। वह संविधान के तहत मिली समाचार-पत्र की आजादी को उससे छीनना चाहते हैं। दैनिक घटती-घटना शासकीय विज्ञापनों की मांग बिल्कुल नहीं करता लेकिन यदि भ्रष्टाचार को उजागर करने के कारण उसके विज्ञापन बंद किए गए हैं तो वह जरूर इसका समाधान चाहेगा।

कलम बंद का पांचवां दिन

वैसे प्रदेश मे मुख्यमंत्री जी की क्या मंशा है। भ्रष्टाचार को लेकर यह भी सामने आना चाहिए। क्या वह भी स्वास्थ्य मंत्री की तरह भ्रष्टाचार के मामले में समाचार-पत्र को ही बंद कराने के पक्ष में होंगे।

पत्रकारों द्वारा सच को उजागर करना अपराध?

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के पत्रकारों द्वारा सच को उजागर करना कोई अपराध नहीं है। वास्तव में, यह उनकी जिम्मेदारी और कर्तव्य है कि वे जनता के सामने सत्य और निष्पक्ष जानकारी प्रस्तुत करें। पत्रकारों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है और इसे लोकतंत्र की हत्या के समान माना जा सकता है। स्वतंत्र भारत में पत्रकारों को सच उजागर करने का अधिकार संविधान द्वारा प्रदान किया गया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रत्येक नागरिक को प्राप्त है, जिसमें पत्रकार भी शामिल हैं। यह अधिकार उन्हें सच बोलने और जनता के सामने सही जानकारी प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता देता है। इसलिए, पत्रकारों का सच उजागर करना अपराध नहीं है और उन्हें प्रताड़ित करना लोकतंत्र के खिलाफ है। पत्रकारों को अपने कर्तव्यों का पालन करने का पूर्ण अधिकार और स्वतंत्रता होनी चाहिए।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | लेख एवं विचार अभिव्यक्ति | अम्बिकापुर, गुरूवार 04 जुलाई 2024 | 2

संपादकीय

ये तो दूसरों पर लांछन लगा रहे हैं:श्याम बिहारी जयसवाल

पति-पत्नी क्या अपना विधानसभा आगामी चुनाव में बचा पाएंगे या फिर बाजी दूसरा मार ले जाएगा?

कलम बंद...का चौथा दिन

कांग्रेस सरकार की कमियां प्रकाशित हुई थीं तब भाजपा को मौका मिला था!

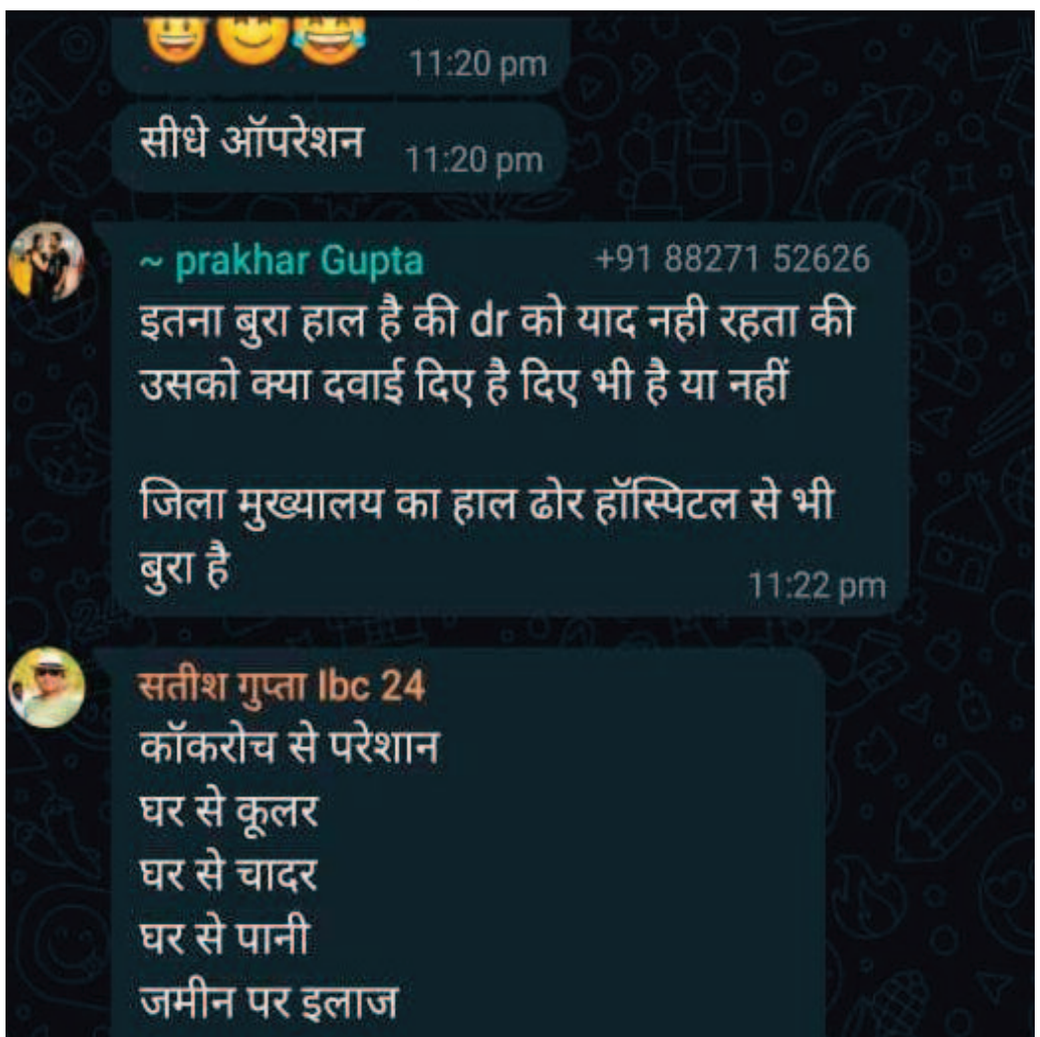

- कांग्रेस को दोबारा मौका ना मिले इसलिए अपनी छप रही कमियों पर संज्ञान लेने के बजाय उन्हे दबाने का भाजपा सरकार का प्रयास क्यों?
- दैनिक घटती-घटना कांग्रेस विधायकों की कमियों को प्रकाशित नहीं करता तो क्या भाजपा प्रत्याशी विधायक मंत्री बनते?
- जब तक भाजपा के प्रत्याशी विपक्ष में थे तब तक दैनिक घटती-घटना अखबार व पत्रकार दोनों अच्छे थे अब जब सत्ता में आए तो खराब हो गए...क्योंकि वह उनकी कमियां दिखा रहे हैं?

क्या बकरा भात कार्यक्रम का भुगतान स्वेच्छानुदान की राशि से हुआ?

100 एकड़ से अधिक जमीन बताया..

50 प्रतिशत राज्यांश बजट में जारी किए जाने पूर्व विधायक श्याम बिहारी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

तहसील कार्यालय हेतु स्थल चिन्हांकित

पूर्व विधायक श्याम बिहारी ने अमृतधारा व झुमका महोत्सव की तर्ज पर जगन्नाथ मंदिर चिरमिरी हिल्स महोत्सव का आयोजन करने की मांग प्रशासन से की

- संवाददाता - चिरमिरी,14 फरवरी 2023 (घटती-घटना)। अमृतधारा व झुमका महोत्सव की तर्ज पर जगन्नाथ मंदिर चिरमिरी हिल्स महोत्सव का आयोजन करने की मांग जिला प्रशासन से पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने की। पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने जिलाधीश एमसीबी को पत्र लिखते हुए मांग रखा है कि चिरमिरी क्षेत्र में स्थित भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर में प्रतिवर्ष मेले का आयोजन भव्य रूप में किया जाता है। पूरे प्रदेश में एकमात्र जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर भगवान जगन्नाथ का मंदिर बना हुआ है। भगवान जगन्नाथ जी का यह मंदिर पूरे प्रदेश ही नहीं वरन अन्य राज्यों के लोगों के बीच आस्था का केंद्र है। क्षेत्र के स्थानीयजनों की मांग रही है कि जिस तरह कोरिया व एमसीबी जिला प्रासन के द्वारा झुमका व अमृतधारा महोत्सव का आयोजन किया जाता है, उसी तर्ज पर श्री जगन्नाथ मंदिर चिरमिरी हिल्स महोत्सव का आयोजन जिला प्रासन द्वारा कराये जाने से चिरमिरी क्षेत्र को पर्यटन के नक्शे में एक अलग पहचना मिलने के साथ ही चिरमिरी के स्थायित्व के लिए भी एक मील का पत्थर साबित होगा। जिस हेतु श्री जायसवाल ने कलेक्टर एमसीबी से पत्र के माध्यम से जनभावनाओं और क्षेत्र के स्थायित्व के मद्देनजर यह मांग रखी है की श्री जगन्नाथ मंदिर चिरमिरी हिल्स का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा कराया जाए।

अम्बिकापुर,03 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश में जब कांग्रेस सत्ता में थी तब उसकी कमियां दिखाने का काम लोकतंत्र के चौथे स्तंभ ने किया था तत्कालीन भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम भी किया था और जिसके फलस्वरूप ही जनता ने सत्ता परिवर्तन का मन बनाया और प्रदेश में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार सत्ता पर काबिज हो गई। जब कांग्रेस सत्ता में थी तब कमियां उजागर करने पर कांग्रेस भी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को अपना दुश्मन मानती थी सत्य आधारित या भ्रष्टाचार आधारित समाचारों के प्रकाशन पर तरह-तरह की परेशानियां जिनमे कानूनी परेशानियां भी होती थीं खड़ी करती थी और किसी तरह सत्य आधारित जिसमे भ्रष्टाचार को उजागर करने का प्रयास होता था कमियां सरकार या विधायक मंत्री की बताई जाती थी को किसी भी तरह प्रकाशित होने से रोकने का प्रयास होता था और जिसका परिणाम यह हुआ की सत्ता के नशे में सत्ताधारी दल लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को ही रोकने के प्रयास में लगे रहा खुद के कार्यकाल में कार्यप्रणाली में सरकार के विधायक एवं मंत्रियों के सुधार के प्रयास बिल्कुल नहीं किए गए और अंततः सत्ता हाथ से चली गई। कुल मिलाकर कहा जाए तो भ्रष्टाचार को ही सही मानकर तत्कालीन सरकार चलती रही और परिणाम यह हुआ की तब का विपक्ष जो बहुत ही कमजोर विपक्ष था पक्ष बन गया और जनता ने उसे पूर्ण बहुमत प्रदान कर दिया। वहीं जब सत्ता में तत्कालीन विपक्ष को जनता ने बैठने का मौका दिया तब अब सत्ता में बैठे लोग भी पूर्व की ही कांग्रेस सरकार और उसके मंत्री विधायकों के ही नक्शे कदम पर चल रहे हैं और वह किसी भी हाल में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को ही कुचलना चाहते हैं सत्य आधारित खबरों के प्रकाशन को लेकर भ्रष्टाचार आधारित समाचारों के प्रकाशन मामले में और इसका जीता-जागता उदाहरण है सरगुजा अंचल से प्रकाशित दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के शासकीय विज्ञापन को रोकने का फरमान जारी करना और ऐसा केवल इसलिए करना क्योंकि समाचार-पत्र ने स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार और स्वास्थ्य मंत्री के यहां संलग्न दागदार एवं फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले अधिकारी को लेकर समाचार का प्रकाशन कर दिया।

प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में नई सरकार के स्वास्थ्य मंत्री की कार्यप्रणाली इसलिए भी दोषपूर्ण हो गई है...

बता दें की स्वास्थ्य मंत्री के साथ संलग्न एक अधिकारी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी है यह आरोप है वहीं एक अधिकारी पर भी भ्रष्टाचार के आरोप है वहीं कोरिया जिले में भ्रष्टाचार का खेल जो स्वास्थ्य विभाग में कोरोना काल से खेला गया लोग एक तरफ मरते रहे एक तरफ जिन लोगों ने केवल भ्रष्टाचार किया जब उनके भ्रष्टाचार को लेकर खबरों का प्रकाशन किया गया तब ऐसे भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाही की बजाए मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी ऐसे भ्रष्ट संविदा अधिकारी को अन्य जिले में भेजकर बचाते नजर आए वहीं ऐसे लोगों पर जहां भ्रष्टाचार को लेकर कार्यवाही की जरूरत थी उन्हे अन्य बड़ी जिम्मेदारी भी दे दी गई। कोरिया जिले के पूर्व डीपीएम वर्तमान में सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम का नाम इसमें प्रमुख है। अब या तो वर्तमान भाजपा सरकार भी पूर्व की कांग्रेस सरकार की तर्ज पर ही काम करना चाह रही है और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कुचलकर ही वह पुनः सत्ता में वापसी का प्रयास करने विचार कर रही है भ्रष्टाचार को लेकर उनकी अपनी कोई रोकथाम नीति नहीं होगी यह तय है वहीं सत्य को प्रकाशित करने पर समाचार पत्रों पर उसके पत्रकारों और संपादकों पर वह कार्यवाही करेगी न की भ्रष्टाचार को रोकने का प्रयास करेगी। वैसे कांग्रेस शासनकाल में भी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को इस स्तर पर परेशान या उसे अपना काम करने से रोकने का इस स्तर पर प्रयास नहीं किया गया था जिसमे शासकीय विज्ञापन रोककर समाचार पत्र को उसकी निष्पक्षता को बाधित करने कुचलने जैसा प्रयास शामिल रहा हो ऐसा कभी नहीं हुआ। वैसे प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में नई सरकार के स्वास्थ्य मंत्री की कार्यप्रणाली इसलिए भी दोषपूर्ण हो गई है क्योंकि अधिकांश अधिकारी कर्मचारी वही हैं पूर्व के संबद्ध और कार्य में हिस्सेदार सप्लायर वही हैं जो पूर्व की कांग्रेस शासनकाल में थे और अब भी वही विभाग का संचालन कर रहे हैं जिनके हाथ की कठपुतली स्वास्थ्य मंत्री बने हुए हैं। वहीं जिस तरह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कुचलने का प्रयास देखने को मिल रहा है बताया जा रहा है की स्वास्थ्य मंत्री को अधिकारी निर्देश दे रहे हैं और वह अपने विवेक की बजाए अधिकारियों और पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान के उन लोगों के विवेक से काम कर रहे हैं जो पूर्व के स्वास्थ्य मंत्री के खास थे या उस समय जो विभाग को बट्टा लगाने का काम कर रहे थे। अब यदि अब भी वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री सुधार कार्यप्रणाली में विभाग की लाने की बजाए लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कुचलने का ही प्रयास अधिकारियों के निर्देश पर करेंगे तो निश्चित ही अगली बार पुनः परिवर्तन नजर आएगा और इस बार वर्तमान बदल जायेगा।

दैनिक घटती-घटना ने पूर्व की सरकार के कार्यकाल की दोषपूर्ण कार्यप्रणाली को लगातार जनता के समाने लाने का काम अनवरत जारी रखा था...

वैसे प्रदेश में भाजपा की सरकार जो बनी उसमे भाजपा को सरगुजा संभाग से बहुत अधिक मदद मिली सरगुजा संभाग की सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा एकतरफा जीत दर्ज कर सकी जिसके बाद ही सरकार बनी और यह कहना कहीं से अतिश्योक्तिपूर्ण नहीं होगा की सरगुजा संभाग में भाजपा के पक्ष में ज्यादा माहौल इसलिए बन सका था क्योंकि सरगुजा अंचल से ही प्रकाशित दैनिक घटती-घटना ने पूर्व की कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के सभी विधायकों साथ ही मंत्रियों और संसदीय सचिवों सहित प्राधिकरण के अध्यक्ष,उपाध्यक्षों की दोषपूर्ण कार्यप्रणाली को लगातार जनता के समाने लाने का काम अनवरत जारी रखा था जिससे कहीं न कहीं पूरे संभाग के विधानसभाओं में कांग्रेस विधायकों और सरकार की कार्यप्रणाली का ज्ञान जनता को हो सका और उन्होंने उन्हे अयोग्य माना और सत्ता परिवर्तन का मन बनाकर उन्हें सत्ता से बेदखल किया। संभाग की ही बात करें तो सीतापुर विधायक और पूर्व मंत्री की कार्यप्रणाली, सरगुजा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री की कार्यप्रणाली, प्रेमनगर विधायक और संसदीय सचिव की कार्यप्रणाली,प्रेमनगर विधायक की कार्यप्रणाली,बैकुंठपुर सहित भरतपुर सोनहत विधायक, मनेंद्रगढ़ विधायक की कार्यप्रणाली को लेकर घटती-घटना यदि लोकतंत्र के अपने चौथे स्तंभ होने का फर्ज नहीं पूरा करता तो वह या तो टिकट के लिए अपात्र नहीं होते या वह पराजित नहीं होते जनता उन्हे शायद पुनः मौका दे देती।

पूर्व सरकार के विधायक और मंत्री ने भी घटती-घटना के समाचारों को गलत माना और जिसका परिणाम सामने दिखा...

पूर्व की कांग्रेस सरकार के विधायक और मंत्री ने भी घटती-घटना के समाचारों को गलत तरीके से और केवल विपक्ष में प्रकाशित खबर माना और जिसका परिणाम सामने है वह दोबारा सत्ता में भी नहीं वापसी कर सके न ही वह सदस्य ही विधानसभा के बन सके और अब वही गलती भाजपा के मंत्री साथ ही विधायक कर रहे हैं आइना दिखा रही खबरों से वह अक्रोषित हो रहे हैं और दैनिक घटती-घटना को ही कुचलने का प्रयास कर रहे हैं जो केवल अपना फर्ज निभा रहा है। यदि वर्तमान सरकार और उसके मंत्री विधायक खासकर सरगुजा संभाग के विधायक मंत्री दैनिक घटती-घटना की निष्पक्षता और उसकी सत्य प्रकाशित करने की प्रतिबद्धता से पूर्व सरकार के मंत्री विधायकों की तरह लड़ने की ही कोशिश करते रहेंगे तो वह अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं ला सकेंगे और आने वाले चुनाव में उन्हे भी शायद उसी तरह नुकसान होगा जैसा पूर्व के लोगों के साथ हुआ है। वैसे ऐसे विधायक और मंत्री खुद का तो नुकसान करेंगे ही अपनी हटधर्मिता के आगे वहीं पार्टी को भी वह सत्ता से बेदखल करने में अपनी भूमिका निभाने का काम कर जायेंगे। इसलिए जरूरी है की खबरों को एक सीख मानकर चलने की कोशिश करें और बैर मानकर विरोध मानकर समाचार पत्र को नुकसान पहुंचाने की मंशा से दूरी बनाए मंत्री विधायक।

सच प्रकाशित करने पर पत्रकार पर और समाचार-पत्र पर दवाब बनाना चाह रहे...आम आदमी पार्टी

- आम आदमी पार्टी दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान का किया समर्थन...
- आम आदमी पार्टी ने स्वास्थ्य विभाग के घोटाले पर खोला मोर्चा...

मनेंद्रगढ़,03 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। आम आदमी पार्टी की जिला इकाई ने आज मनेंद्रगढ़ रेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर स्वास्थ्य विभाग में हुए बड़े भर्ती घोटाले का खुलासा किया। जिला सचिव विकास पांडेय ने बताया कि इस घोटाले में मुख्य सीएमएचओ सुरेश तिवारी और पूर्व डीपीएम सुलेमान खान हैं,जिनकी मिलीभगत से यह घोटाले को अंजाम दिया गया। विकास पांडेय ने बताया कि बिना किसी प्रेस रिलीज के दस लोगों की अलग-अलग पदों पर जिले के विभिन्न हिस्सों में अस्थायी नियुक्ति की गई। इन नियुक्तियों में कहा गया था कि ये सभी लोग 89 दिनों तक कार्य करेंगे,उसके बाद उनकी नियुक्ति समाप्त हो जाएगी। लेकिन, 100 दिनों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद ये सभी 10 लोग अभी भी मानदेय प्राप्त कर रहे हैं और ड्यूटी कर रहे हैं। विशेष रूप से सीएमएचओ सुरेश तिवारी ने अपने ड्राइवर की नियुक्ति स्वक्षता कर्मचारी के रूप में की है। जिला सचिव ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया गैरकानूनी है। पीएडीए और एएनएम के पदों पर बिना रोस्टर के भर्ती की गई है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के एच.आर. विभाग के अधिकारियों की भी संलिप्तता है। विकास पांडेय ने स्वास्थ्य मंत्री और कलेक्टर से मांग की कि सुरेश तिवारी को तुरंत प्रभाव से हटाया जाए और अभी तक जितना मानदेय दिया गया है, उसे मौजूदा ब्याज के साथ प्रशासन वसूल करे। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की और इस घोटाले में शामिल सभी लोगों को जेल भेजने की बात कही।मीडिया के सवाल पर पांडेय ने कहा कि भाजपा के विधायक श्याम बिहारी जायसवाल जब विपक्ष में थे, तो उन्होंने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी के नागरिकों को भ्रमित कर रखा था। उन्होंने कहा कि जब मनेंद्रगढ़ में गाड़ी चालक की मौत हुई थी, तब मसाल रैली निकाल कर डॉक्टर तिवारी को निलंबित करने की मांग की थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद विधायक श्याम बिहारी जायसवाल बदले-बदले से नजर आ रहे हैं। अब उन्हें भ्रष्टाचार नहीं दिख रहा है और अगर कोई पत्रकार आइना दिखा रहा है तो वे उससे नाराज होकर तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल के कट आउट को दूल्हे के रूप में तैयार कर घोड़ी पर बिठाकर पूरे इलाके में जुलूस निकाला। चिरमिरी में अवैध कारोबार के विरोध में यह झांकी निकाली गई थी। साथ ही सट्टे के अवैध कारोबार को लेकर सड़कों पर बैठकर शराब एवं जुए के उदाहरण के रूप में नाट्य रूपांतरण भी प्रस्तुत किया गया। इस प्रदर्शन में पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल और भाजपा के अन्य पदाधिकारी भी शामिल हुए। आम आदमी पार्टी ने घोषणा की है कि वह इस मुद्दे पर पूरी ताकत से लड़ेगी और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करती रहेगी। उन्होंने कहा कि वे आम जनता के अधिकारों को पैसों के दम पर नहीं बिकने देंगे।

मनेंद्रगढ़ विधायक दुर्घटनावश स्वास्थ्य मंत्री...हर मजबूर और दबे हुए के साथ खड़ी है...आम आदमी पार्टी

आम आदमी पार्टी ने प्रेस वार्ता में मनेंद्रगढ़ विधायक को दुर्घटनावश स्वास्थ्य मंत्री बताया उन्होंने कहा की प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री कोई योग्यता पूरी नहीं करते यदि वह योग्य होते वह सबसे पहले अपने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारते जो नहीं सुधरती नजर आ रही है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को भयभीत और डरा हुआ भी बताया वहीं उन्होंने कहा की आम आदमी पार्टी हर उस आदमी के साथ है जिसे कोई दबाना चाहेगा और जिसे कोई नुकसान पहुंचाना चाहेगा। आम आदमी पार्टी ने यह भी कहा की स्वास्थ्य मंत्री जिन्हे स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर करने का काम करना चाहिए वह सच प्रकाशित करने पर पत्रकार पर और समाचार-पत्र पर दवाब बनाना चाह रहे हैं और समाचार पत्र का विज्ञापन वह बंद करा रहे हैं जो उन्हें डरा हुआ बताने के लिए काफी है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,04 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
सरगुजा-समाचार
अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024
3

खुला पत्र

कौन सी खबर प्रकाशित करें स्वास्थ्य मंत्री जी ? क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं... आपके विभाग में कितनी कमियां हैं यह शायद आपको दिख नहीं रहा...और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है वह देखना नहीं चाहते...ऐसे में क्या प्रकाशित करें यह आप ही तय करें? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था...पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

कलम बंद...

कलम बंद...

कलम बंद का पांचवां दिन

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,04 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,04 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

- » क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
- » क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
- » देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
- » क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
- » क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 01 जुलाई 2024 | 5

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...कमी दिखाओ तो दिक्कत...जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत... आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा, पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं...भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं... क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र !

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
» क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 05 जुलाई 2024 | 6

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

अम्बिकापुर,04 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

संक्षिप्त खेल समाचार

जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने की प्रैक्टिस

नई दिल्ली,04 जुलाई 2024। भारतीय टीम टी 20 वर्ल्ड कप जीतकर भारत पहुंच गई है। वहीं भारत की एक युवा टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के लिए भेजा गया है। 6 जुलाई से शुरू होने वाली इस सीरीज में कुल 5 मैच खेले जाएंगे जिनका आयोजन जिम्बाब्वे में होने वाला है। इस सीरीज के लिए सिर्फ युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। इसी के बीच अब सोशल मीडिया पर खिलाड़ी शुभमन गिल का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें उन्हें मैच के लिए प्रैक्टिस करते देखा गया। मैच के लिए उनकी तैयारियां जोरों शोरों से चल रही है। फैंस शुभमन गिल की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन देखने के लिए काफी उत्सुक है। इसके अलावा बीसीसीआई ने भी टीम के खिलाड़ियों का प्रैक्टिस करते हुए तस्वीरें शेयर की है। जहां टीम के युवा खिलाड़ी जमकर मेहनत करते नजर आ रहे हैं।

नए कप्तान और कोच पर बड़ी जिम्मेदारी

टी 20 वर्ल्ड कप खत्म होते ही टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने संन्यास का ऐलान कर दिया। वहीं टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ का भी यह आखिरी टूर्नामेंट था। ऐसे में टीम इंडिया को इस वक्त इन तीनों दिग्गजों के रिप्लेसमेंट की तलाश है। जिसके कारण बीसीसीआई ने एक नई टीम को चुनने का फैसला लिया है। सीरीज के सभी 5 मैच जिम्बाब्वे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। आपको बता दे कि 3 जुलाई को शुभमन गिल ने अपनी टीम को जॉइन कर लिया है और अभी वह अपने प्रैक्टिस को जमकर कर रहे हैं। इस बार टीम के कोच वी वी एस लक्ष्मण होंगे। ऐसे में कप्तान शुभमन गिल और कोच वीवीएस लक्ष्मण पर बड़ी जिम्मेदारी होगी।

गुकेश ने करुआना को बराबरी पर रोका

» प्रज्ञानानंदा ने नेपोमनियाची के साथ अंक बांटे

बुकारेस्ट,04 जुलाई 2024। विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में शीर्ष पर चल रहे अमेरिका के फाबियानो करुआना को बराबरी पर रोका। एक बार फिर दिन की सभी बाजियां ड्रॉ रही। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने रूस के इयान नेपोमनियाची के साथ अंक बांटे। अंतिम स्थान पर चल रहे रोमानिया के डिएक बोगडेन-डेनियल ने फिरोजा के साथ ड्रॉ खेला जबकि गिरी ने वाचियेर-लाग्रेव के साथ बाजी ड्रॉ की। शीर्ष वरीय करुआना दो जीत और पांच ड्रॉ से 4.5 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं।उनके बाद गुकेश, प्रज्ञानानंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा हैं जो अमेरिकी से आधा अंक पीछे हैं। नेपोमनियाची 3.5 अंक के साथ फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। अमेरिका के वेस्ली सो, नीदरलैंड के अनीश गिरी और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव की तिकड़ी उनसे आधा अंक पीछे है।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले हुए तय

पुर्तगाल का होगा फ्रांस की टीम से सामना

बेल्जियम,04 जुलाई 2024। नीदरलैंड्स की टीम ने यूरो कप 2024 के राउंड ऑफ 16 में रोमानिया की टीम को 3-0 से हराने के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया। अब नीदरलैंड टीम का क्वार्टर फाइनल में सामना टर्की की टीम से होगा। यूरो कप में सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए होने वाले इस राउंड के मैचों की शुरुआत 5 जुलाई से होगी। वहीं इस बार यूरो कप की मेजबानी कर रही जर्मनी टीम का सामना यूरो कप में स्पेन की टीम से होगा। इस बार दूसरा क्वार्टर फाइनल काफी रोमांचक होने वाला है जिसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की टीम एमबापे की फ्रांस से खेलेगी जिसमें ये मैच 5 जुलाई को खेला जाएगा। पुर्तगाल की टीम को राउंड ऑफ 16 में स्लोवेनिया की टीम से जीत हासिल करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था।

रोनाल्डो ने पहले बता दिया कि ये उनका आखिरी यूरो कप है

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यूरो कप 2024 की शुरुआत होने से पहले ही बता दिया था कि वह आखिरी बार फुटबॉल के इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। फ्रांस की टीम को भी बेल्जियम के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल हुई थी। इस बार तीसरे क्वार्टर फाइनल में सामना साल 2022 में रनरअप रहने वाली इंग्लैंड और स्विट्जरलैंड की टीम के बीच होगा। वहीं नीदरलैंड और टर्की की टीम के बीच आखिरी क्वार्टर फाइनल मैच 7 जुलाई को खेला जाएगा। नीदरलैंड ने राउंड ऑफ 16 में रोमानिया के खिलाफ मुकाबले में 3-0 की आसान जीत हासिल की थी। वहीं टर्की ने ऑस्ट्रिया को 2-1 से मात दी थी।

यूरो कप 2024 में क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल
स्पेन बनाम जर्मनी-5 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार रात 9:30 पर
पुर्तगाल बनाम फ्रांस-6 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार देर रात 12:30 पर
इंग्लैंड बनाम स्विट्जरलैंड-6 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार रात 9:30 पर
नीदरलैंड बनाम टर्की-7 जुलाई 2024, भारतीय समयानुसार देर रात 12:30 पर

पेरिस ओलंपिक के लिए इन भारतीय एथलीट्स ने किया क्वॉलीफाई

नई दिल्ली,04 जुलाई 2024। पेरिस ओलंपिक खेलों की शुरुआत 26 जुलाई से हो रही है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में खेलों के इस महाकुंभ का आगाज होना है, जिसमें दुनिया के एक-से-बढ़कर एक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत से उम्मीद होगी कि वह इस बार पिछले टोक्यो ओलंपिका खेलों से बेहतर करें और 7 से ज्यादा पदक अपने नाम दर्ज कराए।

पिछली बार नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था, जबकि एथलेटिक्स में ये भारत का पहला गोल्ड था। टोक्यो ओलंपिक के दौरान, भारतीय दल में 124 एथलीट शामिल थे।अब पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ज्यादा से ज्यादा एथलीट के क्वालीफाई होने की उम्मीद करेगा, जिससे देश के पास ज्यादा मेडल आए। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए किन-किन भारतीय एथलीट ने क्वालीफाई कर लिया है।दरअसल, ट्रैप शूटर भवानीश मेंदीरत्ता ने साल 2022 आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला पेरिस 2024 कोटा जीता, लेकिन राष्ट्रीय ट्रायल के बाद अंतिम टीम के लिए वह जगह नहीं बना सके। इसके स्थान पर पृथ्वीराज टोंडिमन को पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में कोटा दिया गया। वहीं, भारतीय निशानेबाजों ने पहली बार हर ओलंपिक शूटिंग वर्ग में कोटा हासिल किया। मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में राष्ट्रीय ट्रायल में पहला स्थान हासिल करने के बाद नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने भी महिला ट्रैप शूटर के लिए पिस्टल कोटा में से एक एक्सचेंज किया, जिससे शॉटगन के लिए पिस्टल में एक कोटा मुक्त हो गया। ये कोटा श्रेयसी सिंह को मिला, जो महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

क्वालीफाइंग पीरेड के दौरान भारत के लिए पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग कोटा हासिल करने वाले रुद्राक्ष पाटिल भी अंतिम टीम में जगह नहीं बना सके। राष्ट्रीय ट्रायल के बाद संदीप सिंह ने उनकी जगह ली। इसी तरह, तिलोत्तमा सेन, अखिल श्योराण, मेहुली घोष, श्रीयंका सदांगी, वरुण तोमर और पलक गुलिया, जिन्होंने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में कोटा हासिल किया था, वह सभी भी चूक गए।

टी 20 विश्व कप टीम के मुंबई के खिलाड़ियों को विधान भवन में सम्मानित किया जाएगा

» कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव,शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे। ये सभी मुंबई के रहने वाले हैं

मुंबई,04 जुलाई 2024। टी 20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम के मुंबई के चार खिलाड़ियों को शुक्रवार को महाराष्ट्र विधान भवन परिसर में सम्मानित किया जाएगा। राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को सदन में यह जानकारी दी।कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल भारत की टी 20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे। ये सभी मुंबई के रहने वाले हैं। भारतीय क्रिकेट टीम ने 29 जून को देश को दूसरा टी20 विश्व खिताब दिलाया जिससे आईसीसी ट्रॉफी का 11 साल का इंतजार खत्म हुआ।भारत ने पिछला आईसीसी खिताब 2013 में जीता था जब उसने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने गुरुवार को विधानसभा में मुंबई के खिलाड़ियों को विधान भवन में सम्मानित किए जाने का मुद्दा उठाया।विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि शहर के खिलाड़ियों का सम्मान शुक्रवार दोपहर विधान भवन में होगा। टी 20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम गुरुवार सुबह बारबाडोस से नई दिल्ली लौटी जहां उसका भव्य स्वागत किया गया।

अनंत-राधिका की शादी से पहले ईशा अंबानी पर लट्टू हुए बॉलीवुड सिलेब्स पर यूजर्स बोले-पहली बार अच्छी नहीं लगी

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के बेटे अनंत की शादी राधिका मर्चेंट से हो रही है। 12 जुलाई को दोनों सात फेरे लेंगे, इससे पहले एंटीलिया में जोरशोर से जश्न चल रहा है। इस बीच मुकेश और नीता की बेटी ईशा अंबानी का एक फोटोशूट वायरल हो रहा है। उनके साथ ओरी उर्फ ओरहान अवात्रमणि भी हैं। ओरी बॉलीवुड की तमाम हस्तियों जैसे नीसा देवगन, जान्हवी कपूर व अन्य के बीएफएफ यानी बेस्ट फ्रेंड फॉरएवर हैं। अरबपति अंबानी परिवार संग उनका रिश्ता है। शनाया कपूर से लेकर अनन्या पांडे और जीजी हदीद तक ईशा की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं, लेकिन यूजर्स को उनका ये अंदाज रास नहीं आ रहा है।

यूजर्स का ऐसा है रिएक्शन

यूजर्स का ऐसा है रिएक्शन एक ने लिखा, पहली बार मुझे ईशा अच्छी नहीं लगी। दूसरे ने कॉमेंट किया, आज का युग छपरियों का युग है, मैं समझ गया हूं। एक ने तो लिखा कि ओरी, ईशा से पूछो कि रिचार्ज महंगा क्यों किया! एक ने लिखा, पहली बार मुझे ईशा अच्छी नहीं लगी। दूसरे ने कॉमेंट किया, आज का युग छपरियों का युग है, मैं समझ गया हूं। एक ने तो लिखा कि ओरी, ईशा से पूछो कि रिचार्ज महंगा क्यों किया!

ईशा के पोस्ट पर अमेरिकन मॉडल जीजी हदीद से लेकर अनन्या पांडे, भूमि पेडनेकर और शनाया कपूर तक ने प्यार उड़ेला है। उन्हें ईशा इस अवातर में खूब पसंद आई।

जस्टिन बीबर देंगे परफॉर्मेंस, फीस 50 करोड़ से ज्यादा

बताया जा रहा है कि अनंत और राधिका की 5 जुलाई को होने वाली म्यूजिक नाइट में जस्टिन बीबर परफॉर्म करेंगे, जोकि हॉलीवुड के फेमस सिंगर हैं। इस इवेंट के लिए वो 50 करोड़ से ज्यादा फीस ले रहे हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरजन आ0देवसाय जाति रजवार निवासी नवागढ़, तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम-नवागढ़ तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) खसरा नं0 289/6रकबा 0.015 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा ,नक्शा ,सेटलमेन्ट ,रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं ,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 20/07/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202406020700138

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2023-24

नमनाकला प.ह.नं.00020
[477/42(0.0100हे.)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-घनश्याम सोनी
अनावेदक पक्षकार-प्रेमकुमारी सिन्हा

ईश्तहार

आवेदक घनश्याम सोनी ,आ0भगवान दास सोनी , निवासी -नमनाकला,तहसील अंबिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 477/42 रकबा 0.010 , हे0 भूमि को राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी स्व0 प्रेमकुमारी सिन्हा का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/07/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/06/2024 को जारी किया जाता हैं।

(सील) तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202405020700216

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2023-24

बरढोढी प.ह.नं.00032(हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-सुनेश्वर राम ,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0शासन

ईश्तहार

आवेदक सुनेश्वर राम आ0रामशरण, निवासी ग्राम-बरढोढ़ी, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम बरढोढ़ी स्थित भूमि खसरा नंबर 06 कुल रकबा 0.610 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है, उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/07/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/05/2024 को जारी किया जाता हैं।

(सील) तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र.202406021200074 /अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बैजनाथ आ0 स्व0 सत्यनारायण कुशवाहा एवं अन्य-16 के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर- स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1186/1,रकबा 0.56 एकड़ में से रकबा 0.26,1/2 एकड़ भूमि को अनावेदक आकर्ष आनंद आ0 आनंद शंकर जाति सौण्डिक निवासी मेदिनीनगर पलामू,जिला पलामू (झारखंड) के पास विक्रय करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज मेंटनेन्स खसरा नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूखण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 22/07/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-02 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202402021700029 /अ-6/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंकित कुमार तिर्की आ0 सुखदेव तिर्की व अन्य 01 जाति उरांव,निवासी ग्राम नकना,तहसील सीतापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) द्वारा ग्राम असोला स्थित भूमि खसरा नम्बर 334/3, 581/6, 742/4, 825/1, रकबा 0.081,0.053, 0.061,0.089 हे0 के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 12/01/2024 के आधार पर विक्रेता संजय आ0 फुलसाय, जाति कंवर निवासी ग्राम असोला,तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) का नाम विलोपित करते हुए अपना नाम दर्ज कराने हेतु ऑनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से नामांतरण की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण की कार्यवाही के दौरान साक्ष्य की आवश्यकता प्रतीत होने के कारण विधिवत नामांतरण हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/07/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नायब तहसीलदार अंबिकापुर-02

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अंबिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

:: सार्वजनिक सूचना::

अपील रा0प्र0क्र0-202308021800028/90/अ-6/2014-15

1-आशा राम आ0 स्व0घूरन
निवासी ग्राम कांतिप्रकाशपुर,तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा(छ0ग0)...अपीलार्थी

प्रति

1-जैनुल आबेदिन आ0 स्व0 शमशुन आवेदिन(मृत)
1.(1) नाजमा परवीन बेवा जैनुल आबेदिन
1.(2) वसीम आबेदिन आ0स्व0 जैनुल आबेदिन
1.(3) कु0 सिरिन पुत्री स्व0 जैनुल आबेदिन
2-एनुल आबेदिन आ0 स्व0शमशुन आवेदिन
3-परवेज आवेदिन आ0 स्व0शमशुन आवेदिन
4-जावेद अख्तर अंसारी आ0 स्व0शमशुन आवेदिन
5-ग्यासुद्दीन अंसारी आ0 स्व0 शमशुन आवेदिन
6-नाजमा परवीन पत्नी जेलून (मुन्नू)
7-वसीम आ0जेलून
8-सीरीन आ0 जेलून
सभी निवासी ग्राम गद्दीपारा स्कूल के पास तहसील अम्बिकापुर
जिला सरगुजा (छ0ग0) ....उत्तरवादीगण

-000-

अपीलार्थी आशा राम आ0 स्व0 घूरन,निवासी ग्राम कांतिप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर,जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा न्यायालय तहसीलदारअम्बिकापुर के रा0प्र0क्र0 56/अ-6/2014-15 अनिसुन निशा प्रति आशा राम में पारित आदेश दिनांक 15/05/2015 के विरूद्ध इस न्यायालय में अपील प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 25/07/2024 को नियत है। उक्त नियत सुनवाई तिथि में उत्तरवादी 02 को छोड़कर शेष उत्तरवादीगण का उपस्थित होना आवश्यक है।

अतः इस सार्वजनिक सूचना पत्र के माध्यम से उत्तरवादी क्रमांक-02 को छोड़कर शेष उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि उक्त नियत सुनवाई दिनांक 25/07/2024 को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील ज्ञापन के संबंध में अपना पक्ष अभिलेखीय आधार पर प्रस्तुत करें। नियत सुनवाई दिनांक को उपस्थित नहीं होने की दशा में यह माना जावेगा कि उक्त अपील के संबंध में उन्हें कुछ नहीं कहना है,और उनकी मौन स्वीकृति मानते हुए उनके विरूद्ध प्रकरण में विधि सम्यक अग्रेत्तर कार्यवाही की जावेगी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202406020700130

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2023-24

सुभाषनगर प.ह.नं.00017
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-पिन्की मण्डल
अनावेदक पक्षकार-पुलिन

ईश्तहार

आवेदक पिन्की मण्डल आ0 पुलिन सरदार,निवासी मंदिरपारा,ग्राम पंचायत कमलपुर,सिलफि ली, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नम्बर 59/3, 59/4, 69 रकबा क्रमशः 0.100, 0.100, 1.74 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी स्व0 पुलिन सरदार का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15/07/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/06/2024 को जारी किया जाता हैं।

(सील) तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मार्टिन कुमार आ0 राजेश कुमार जाति उरांव निवासी सनावल, तहसील रामानुजगंज जिला- बलरामपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम-नमनाकला तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) खसरा नं0 187/7 रकबा 0.024 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा ,नक्शा , ले-आउट,रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं ,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 20/07/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सिद्धांत गर्ग आ0आलोक कुमार गर्ग जाति अग्रवाल निवासी नमनाकला, तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम-अंबिकापुर तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) खसरा नं0 4390/4 रकबा 0.018 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा ,नक्शा ,ले-आउट ,भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र ,सेटलमेन्ट ,रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं ,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 20/07/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक माधवी वर्मा आ0नरेन्द्र वर्मा जाति कायस्थ निवासी नवापारा, तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम-फुन्दुर्रीडिहारी तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) खसरा नं0 29/2रकबा 0.125 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा ,नक्शा ,सेटलमेन्ट,रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं ,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 20/07/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
राजधानी समाचार
अम्बिकापुर, शुक्रवार 05 जुलाई 2024
8

खुला पत्र

देश का चौथा स्तंभ को बचाए कौन ?

» बचा लो चौथे स्तंभ को अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है...जिम्मेदार लोगों से है अपील...

अम्बिकापुर,04 जुलाई 2024 (घटती-घटना)।. बात बिल्कुल सही है कि मीडिया देश की ज़रुरत है,बिना इसके हम स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं कर सकते हैं,संपादक, मालिक और पत्रकार,सभी एक ढर्रे पर चल रहे हैं,सभी बदलाव की बात करते हैं,मगर कोई बदलना ही नहीं चाहता है,देश का स्वघोषित चौथा स्तंभ डगमगा रहा है,अपने विचारों से,अपने कर्तव्यों से बचा लोज्अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है यह कहना गलत नहीं होगा क्योंकि पहले के तीन स्तंभ भी चौथे स्तंभ के लिए गंभीर नहीं है। उन्हें लगता है कि चौथे स्तंभ की जरूरत ही नहीं है? समाचार-पत्र राजनीतिज्ञों और अन्य सत्ताधारियों का सशक्त उपकरण बन गया है,निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उनका मनमाना प्रयोग करते हैं,सभी अपने अधिकारों की सीमा लांघते हैं मगर क्यों? हमने व हमारे अतीत ने इस बात को सच होते भी देखा है,याद किजिए वो दिन जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था,तब अंग्रेजी हुकूमत के पांव उखाड़ने के लिए एकमात्र साधन अख़बार ही था,विश्व में अमेरिका और कई पश्चिमी देश ऐसे हैं,जहां पत्रकारिता स्वतंत्र है,भारत में भी प्रेस की अपनी भूमिका निभा रही है,हालांकि अन्य देशों की अपेक्षा हमारे देश में प्रेस के लिए कोई अलग से कानून नहीं हैं,हिन्दुस्तान में एक आम नागरिक को जो अधिकार दिया गया है,वही अधिकार प्रेस को भी दिया गया है,आर्टिकल 19(1) (ए) के अनुसार, हिन्दुस्तान में रहने वाले सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति का अधिकार दिया गया है,मीडिया को भी इसी दायरे में रखा गया है,हम आज जिस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं,वो सरकार और मीडिया है,सरकार के बिना मीडिया अधूरी है, और मीडिया के बिना सरकार,देश की समस्याओं को अख़बार या टीवी के माध्यम से मीडिया सरकार तक अपनी बात पहुंचाती है,देखा जाए,तो प्रेस की भूमिका जनप्रतिनिधि की होती है,कई बार ये प्रतिनिधि सीमा को लांघ जाते हैं,नाजी नेताओं ने ठीक ही कहा है कि यदि झूठ को दस या बीस बार बोला जाए,तो वह सच बन जाता है, समाचार पत्रों के संदर्भ में यह कथन सही उतरता है,आज समाचार पत्र राजनीतिज्ञों और अन्य सत्ताधारियों का सशक्त उपकरण बन गया है,वे अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उनका मनमाना प्रयोग करते हैं,सभी अपने अधिकारों की सीमा लांघते हैं मगर क्यों?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

» क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

» क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

» देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

» क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)